formation and Broadcasting for the year 1983-84 at page 30 is as follows:

Sl. No.	Name of the film	Date of telecast
1	Catalyst	10-2-1984
2	Mammu	Will be telecast shortly.
3	Dulhan Hi Dahej	Under production.
4	Nayi Roshni	30-7-1983.
5	Season's Memoirs	9-12-1983

विभागेतर डाकघर तथा कर्मचारी

1320. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव:** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शहरों में विभागेतर डाकघरों की संख्या गांवों के मुकाबले, जहां इनकी संख्या लाखों में है, बहुत थोड़ी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि शहरों में तो विभाग इन डाकघरों के परिसरों के लिए किराया पता है जबकि गांवों में उन परिसरों के लिए, जहां विभागेतर डाकघर खोले जाते हैं; कोई किराया नहीं देता;

(ग) क्या यह भी सच है कि शहरों में डाक विभाग के विभागेतर कर्मचारियों को बहुत जल्दी नियमित कर दिया जाता है जबकि गांवों में उन्हें बिल्कुल नियमित नहीं किया जाता; और

(घ) यदि हां, तो इस भेदभाव पूर्ण नीति के क्या कारण हैं और क्या सरकार इस भेदभाव को दूर करने का विचार रखती है ?

संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विजय एन० पाटिल) : (क) अतिरिक्त विभागीय प्रणाली का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में जहां कि अधिक लागत एवं अपर्याप्त डाक परिपात होने के कारण नियमित विभागीय डाकघर नहीं खोले जा सकते हैं, मितव्ययता आधार पर डाक सुविधाएं प्रदान करना है। शहरी क्षेत्रों में अतिरिक्त विभागीय डाकघर केवल विशेष परिस्थितियों में ही खोले जाते हैं। अतः अतिरिक्त विभागीय डाकघरों की संख्या शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं अधिक है।

(ख) जी नहीं।

(ग) और (घ) जी नहीं। अतिरिक्त विभागीय कर्मचारियों को 3 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद उनकी सेवा अवधि के अनुसार उपलब्ध विभागीय रिक्त पदों पर पाया जा सकता है बशर्ते कि वे निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण कर लें। अतः उन्हें विभागीय कर्मचारियों के रूप में खपाना दो बातों पर निर्भर करता है, एक तो उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या तथा दूसरे एक मंडल में उम्मीदवारों की संख्या।

ग्रामीण डाक घर

1321. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गांवों में कितने डाकघर अपने